जगमग ज्योत जगे मईया के दरबार

जगमग ज्योत जगे मईया के दरबार,
जो भी आये माँ के दर पे, हो जाए मालामाल,
जगमग ज्योत जगे.... जय हो
जगमग ज्योत जगे मईया के दरबार।।

जय माता दी, जय माता दी, जय माता दी.....

मन की श्रद्धा से भावो सेम माँ की चौंकी रचाई,
रंग बिरंगे घोटो वाली चुनरी माँ को ओढ़ाई.....-2
माँ रहमत की बरसी किरपा, हुआ माँ दीदार,
जगमग ज्योत जगे.... जय हो
जगमग ज्योत जगे मईया के दरबार।।

जय माता दी, जय माता दी, जय माता दी.....

ऊँचा भवन रंगीला माँ का, भगतो के मन भाये,
चढ़ के चड़ाईआं भवन मईया के, भगतो की टोली आये.....-2
खोल भंडारे बैठी मईया, दे सबको वरदान,
जगमग ज्योत जगे.... जय हो
जगमग ज्योत जगे मईया के दरबार।।

जय माता दी, जय माता दी, जय माता दी.....

अपने लाडले भगतो को देती सदा सहारा,
माँ ममता की गंगा में मिले हर भटके को किनारा.....-2
कोई स्वाली जाए ना खाली, आये जो माँ दरबार,
जगमग ज्योत जगे.... जय हो
जगमग ज्योत जगे मईया के दरबार।।

जय माता दी, जय माता दी, जय माता दी.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/24075/title/Jagmag-jyot-jage-maiya-ke-darbaar

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |